रंगोत्सव (Holi Special)

MARLBORO HINDI SCHOOL

होली की कहानी

हिरण्यकश्यप नाम का एक राजा हुआ करता था जिसने पूरी भूमि का राज्य जीत लिया था. वह बहुत अहंकारी था और उसने अपनी प्रजा को उसकी पूजा करने का आदेश दिया। लेकिन दुर्भाग्य से उसका पुत्र प्रहलाद भगवान विष्णु का परम भक्त बन गया और उसने अपने पिता की पूजा करने से इनकार कर दिया। हिरण्यकश्यप ने कई तरकीबों से अपने पुत्र को मारने की कोशिश की करी पर भगवान विष्णु ने हमेशा उसे बचा लिया। अन्त में उसने अपनी बहन "होलिका" को आग में प्रवेश करने को कहा प्रहलाद को अपनी गोद मे लेकर। हिरण्यकश्यप जानता था होलिका के वरदान के बारे मे जिससे वह आग में प्रवेश कर सकती थी किसी चोट के बिना। होलिका ने धोखे से प्रहलाद को अपने गोद में बिठाया और फिर ख़ुद आग में बैठ गयी। प्रहलाद भगवान विष्णु की प्रार्थना करता रहा किंतु होलिका उस आग में जल का मर गयी। होलिका को यह पता नहीं था की उसका वरदान केवल अकेले आग में प्रवेश करने पे कार्य करेगा।.

प्रहलाद "नारायण, नारायण" जाप करता रहा और भगवान विष्णु ने उसे बचा लिया और वह आग के बाहर बिना किसी हानि से आ गया।भगवान विष्णु ने उसे उसकी भक्ति से प्रसन्न हो कर उसे वरदान दिया।

इस प्रकार होली का नाम होलिका से पड़ा और हम इस त्योहार को बुराई पर अच्छाई की जीत होने के लिए मनाते है।

होली एक भक्त की भक्ति के विजय का भी प्रतीक है।

A selected Doha for our Students:

ऐसी वाणी बोलिए ,मन का आपा खोए
औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होए ||

कुछ बातें नीलू पिशोरी के साथ (an interview with Ms. Neelu Pishori)

Q. आपने बारे में कुछ बताएँ?

पेशे से में एक Accountant हूँ और अभी ओल्ड ब्रिज Board of Education में कार्य करती हूँ | पिछले १० साल से हिंदी स्कूल में पढ़ा रही हूँ |

Q. हिंदी पढ़ना बच्चों के लिए क्यों ज़रूरी है?

हिंदी भाषा हमारे बच्चों को संस्कृति (culture) से मिलता है। इसके माध्यम से वे अपने से बड़ों से बात कर सकते है और अपने रीति रिवाजों (tradition) का पालन कर सकते है।

Q आपको हिंदी स्कूल में पढ़ना कैसा लगता है?

मुझे हिंदी स्कूल में बच्चों को हिंदी पढ़ने की सेवा करने में बहुत आनंद मिलता है। बहुत खूशी होती है इन बच्चों को हिंदी में बोलते हुए और अपने समाज से जुड़ते हुए देख कर।

Q आपको इस स्कूल से क्या आशा है?

में आशा करती हूँ की हम यहाँ पर हिंदी और भारतीय संस्कृति अपने बच्चों को सिखाते रहे और बहुत सारे लोग इसमें शामिल हो।

Q हम और क्या कर सकते है हिंदी स्कूल में?

लिखने और पढ़ने के साथ हमें बच्चों को हिंदी बोलना भी सिखाना चाहिए। बोलने के माध्यम से ये अपने विचारों को बता सकते है इस लिए हम debate, drama और अन्य कार्यक्रम जो बोलने को प्रोत्साहित (encourage) करे उनका आयोजन करना चाहिए।

Q हमें स्कूल में माता-पिता और बच्चों को और शामिल होने के लिए क्या करना चाहिए?

महीने में एक बार माता-पिता को कक्षा में आकर भाग लेने चाहिए। ऐसा करने से उन्हें पता चलेगा की उनके बच्चों की प्रगति (progress)

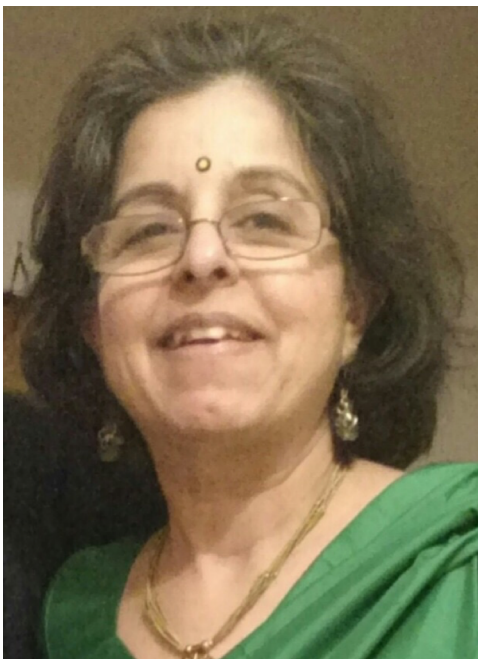

के बारे में। फिर वो घर में जो आवश्यक तत्वों पर ज़ोर दे सकते हैं।

Q बच्चों को भाग लेने और हिंदी सिखने के लिए प्रोतसाहित (encourage) करने का कोई और सुझाव है आपके पास?

बच्चों को सिखने की लिए और उनकी दिलचस्पी और बढ़ाने के लिए हमें कला (art and craft), नृत्य, गीत और चलचित्र (movie) का प्रयोग करना चाहिए।इससे उन्हें हिंदी भाषा को समझने और सराहने (appreciate) में सहायता होगी।

MHS RangotSav (Holi की कुछ झलक) – April 2017

चतुर हिरन - Anisha Atre

बहुत समय की बात है, रेरिटन नदी के किनारे एक हिरन रहता था।एक दिन वह रास्ता पार कर रहा था कि अचानक एक कार से टकरा गया। उस टक्कर के कारण उसके पैर में चोट आ गयी।

कुछ समय बाद एक जंगली भालू वहाँ आया।हिरन को देख कर वह बोला आज तो में तेरा शिकार करूँगा।यह सुनकर पहले तो हिरन गबराय फिर उसने शांति से सोच कर कहा, की तुम मुझे खा सकते हो लेकिन मेरी एक आख़िरी इच्छा है, क्या तुम उसे पूरा कर सकोगे?

यह सोचकर जंगली भालू सोच में पड़ गया। उसे सोचते देखकर, हिरन बोला, "मैं तो वैसे भी ज़्यादा तेज़ नहीं दौड़ सकता, क्योंकि मेरे पैर में चोट लगी है"। हिरन यह कह कर भालू को अपने पैर की चोट दिखता है। जंगल भलु हिरन की चोट देख कर बोलता है, "अच्छा बताओ तुम्हारी इच्छा क्या है ?" हिरन कहता है कि में मरने के पहले एक बार अपने घर को देखना चाहता हूँ।

भालू पूछता है की तुम्हारा घर कहाँ है? हिरन बोलता है, बस यहीं पास ही है। भालू कहता है, "ठीक है मैं तुम्हारी इच्छा पूरी करूँगा। चलो मुझे अपने साथ तुम्हारे घर ले चलो।" यह कह कर दोनो नदी के पार वाले हिरन के घर की ओर धीरे धीरे जाते है।

क्योंकि सर्दी का मौसम था, इसलिए नदी के ऊपर बर्फ़ की परत जमी हुई थी।इसी का फ़ायदा उठाकर हिरन अपनी पूरी ताक़त लगाकर ज़ोर से नदी के ऊपर जमी हुई बर्फ़ पर फिसलते हुए जाता है।हिरन को भागता देखकर भालू को बहुत गुस्सा आया।
भालू बिना सोचे समझे हिरन के पीछे भागना शुरू कर देता है परंतु जब तक हिरन नदी की दूसरी ओर चला जाता है।जैसे ही भालू नदी के बीच में पहुँचता है उसके वज़न से बर्फ़ की परत टूट जाती है, और भालू नदी के बीच में डूब कर मर जाता है।

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है, की ताक़त को हमेशा सूझबूझ से जीत सकते है।

माँ - Hiya Dogiparthi

हमारे जीवन में कुछ व्यक्ति अमूल्य होते हैं। ऐसी ही एक व्यक्ति है मेरी माँ। उसका मूल्य मेरे जीवन में सोने से भी बड़कर है। माँ मेरे लिए बहुत कुछ करती है। दिन रात मेरी और मेरी छोटी बहन कि देख़बाल में बिताती है। हमारी हर ज़रूरत की ख़बर होती है माँ को। अगर में गिर जाऊँ तो मुझे सम्भालती है। अगर रोने लगूँ तो मुझे सांत्वना भी देती है। वह मेरी शक्ति है और हर परिस्तिथि में मेरा साथ देती है। माँ बच्चों के लिए प्रेरणा का सागर होती है। मेरे लिए वह प्रेरणा ही नहीं बल्कि एक प्रिय मित्र भी है।

मेरी माँ एक दृढ़ महिला है और मुझे उसकी तरह बनने के लिए Encourage करती है। उसे ख़ुद पता नहीं है के वह कितनी उत्तम है। अपने उदार दिल से मेरी हर भूल माफ़ कर देती है और मुझे बहुत प्यार और दुलार देती है। मैं अपनी माँ को ख़ुश करना चाहती हूँ। हर वो कार्य करना चाहती हूँ जिससे वह मुझ पर गर्व करे।

माँ यह नहीं जानती की वह बहुत सबल महिला है। वह जैसी भी है मुझे अच्छी लगती है इसलिए मेरे लिए उसका मूल्य सोने से भी बड़कर है।

खाना है मेरा प्यार

खाना है मेरा प्यार
रोटी सब्ज़ी और थोड़ा सा अचार
स्कूल से आकर मैंने माँ से बोला
खाना है तैयार ?

पेट भरने का है इंतेज़ार
माँ ने बनायी रोटी गरम गरम
डाला मुँह में नरम नरम
ज़रूर मैंने किया कोई करम धर्म
जो मुझे मिला खाना गरम गरम
खाना मैंने खाया भेर-पेट
होम वर्क के लिए हो गयी लेट
अब करूँगी डिनर का इंतेज़ार
क्योंकि खाना है मेरा प्यार ।

Shivalika Gupta

गरमी आई

गरमी आई गरमी आई
साथ लायी ख़ूब सारी धूप और इंद्रधनुष
खेलेंगे, घूमेंगे , और हसेंगे हम ख़ूब
गरमी आई गरमी आई
मौज मस्ती साथ लायी
अब हम भी खाएँगे ख़रबूज़
लीची , आम और तरबूज़
खाएँगे आइस क्रीम और slushy
गरमी आई गरमी आई

Aumrit Khanwani

बिटिया का बचपन

धरती पर फुदकते वो नन्हें पाँव
अल्हड़ पदचिन्हो से नापती
रहती मेरे घर का हर कोना,
मस्ती से उछलती, गर्दन वो मटकाती
कोमल कत्थई केशों से
अपने कांधो को छू जाती ।

मृगनयनी से नैना हँसते
छोटी-छोटी शैतानी पे
मुख भोला यूँ खिला पुष्प सा
जब तू अपनी हठ मनवाती ।

शरारतों का काजल छलक पलकों से
मोहिनी मुस्कान से जा मिलता था
सच मानो गुड़िया मेरी
जीवन का, सर्व सहर्ष सुख
मुझको मिलता था ।।

अब चंचल हो राजदुलारी
तुम कल मद्धम हो जाओगी
जो निश्चल है तेरी हँसी अब
वो रंग नये फिर पायेगी
जैसे महकाया आँगन मेरा....
कल तुम ये समस्त संसार महकाओगी ।

Vandana Sharma

हिंदी स्कूल हिंदी स्कूल

हर शनिवार को जाते हैं.हिंदी स्कूल हिंदी स्कूल
थोड़ा बोरिंग थोड़ा लर्निंग.हिंदी स्कूल हिंदी स्कूल

मेरी टीचर अच्छी है सबको शिक्षा देती है
थोड़ा बोरिंग थोड़ा लर्निंग.हिंदी स्कूल हिंदी स्कूल

रोज़ परीक्षा लेती है सबको डरा कर रखती है
थोड़ा बोरिंग थोड़ा लर्नि.हिंदी स्कूल हिंदी स्कूल

कभी-2 वो हँसती है सबको मज़ा दिलाती है
थोड़ा बोरिंग थोड़ा लर्निंग.हिंदी स्कूल हिंदी स्कूल

बड़े प्यार से सिखाती है.मेरी टीचर प्यारी टीचर
हिंदी की टीचर सबकी टीचर
थोड़ा बोरिंग थोड़ा लर्निंग.हिंदी स्कूल हिंदी.स्कूल

Parth Gupta

होली आई

होली आई होली आई रंग बिरंगी होली आई।
रंगों की बहार साथ में
ग़ुब्बारे और पिचकारी लाई।
गुज़िया, मठरी और मिठाई
यह रंगीली होली लाई।
आओ मिलकर रंगें रंगों में
गले मिलें खिल उठे रंगों में।
भूल कर शिकवे और गिले
आओ मिलकर रंगें रंगों में।
पर्यावरण का ध्यान रखें हम
प्रकर्तिक रंगों का करें उपयोग।
ना करें नाराज़ किसी को
इस तरह सबको रंगें रंगों में।

Karuna Gupta

Aditi Balachandran

मेरा अनुभव हिंदी स्कूल का बहुत ही प्यारा रहा है। पहले एक छात्र (student) की तरह फिर एक TA की तरह। मैंने STAR talk camp में भी भाग लिया है।

हमारी भाषा, त्योहार,नृत्य, गीत और संस्कृति सिखने का यह मौक़ा हम सबको हमारे आदरणीय शिक्षकों (respected teachers) और अग्रावलजी कि मेहनत से मिला है। । मैं इन सभी का दिल से शुक्रिया करती हूँ।

हिंदी जानने से भारत में मैं सबसे बात कर पाती हूँ, अपने cousins के साथ हर काम में भाग ले पाती हूँ।भारत यात्रा में अब और भी मज़ा आता है।

कुछ महीनो में मैं college जाने वाली हूँ जहाँ में economics and business पढूँगी।यहाँ मैंने हिंदी भाषा के साथ अपनी संस्कृति पर गर्व करना सिखा है।मुझे पता है यह बात मुझे हमेशा प्रोत्साहित करेगी अपने पथ पर चलने के लिए।

Priya Agarawal

जब मैं ६ साल की थी तब माँ पहली बार हिंदी स्कूल में आयी थी। हर शनिवार मैं आके अपने दोस्तों से मिलती थी और अपने Indian Community के साथ हिंदी सीखती थी। America में भारतीय बच्चों को इंडिया के बारे में सीखने के लिए बहुत कम तरीक़े हैं पर जब हिंदी स्कूल में आते हैं, उन्हें अपनी संस्कृति और रीति रिवाजों के बारे में सीखने का मौक़ा मिलता है।

हिंदी स्कूल में आकर मैं दूसरे भारतीय बच्चों से मिल पायी और साथ साथ बड़े होने के बाद वो सब मेरे प्रिय दोस्त बन गए हैं। आज मैं मार्लबोरो हिंदी स्कूल में म्यूज़िक TA हूँ और बच्चों को संगीत सीखाती हूँ।

मैं बहुत सौभग्यशाली हूँ कि मुझे ये अवसर मिला कि मैं हिंदी स्कूल के छात्रों को अपने भारत के बारे में सिखा सकती हूँ। इसके लिए मैं हिंदी स्कूल के सारे अध्यापकओं और बिशन जी की बहुत आभारी हूँ

Santa Making a Stop at MHS

The Eye Camp Organized with Lion Club District 16 J

Plant Sale

MHS SCHOOL CALENDER

UPCOMING MHS EVENTS

MAY 13 – HIDNI DEBATE CONTEST

JUNE 3 & 10 - FINALS

JUNE 17 – AWARD CEREMONY & PICNIC

JUNE 24- INTERNATIONAL YOGA DAY EVENT

WWW.MARLBOROHINDISCHOOL.ORG
175 route 79, Marlboro NJ 07746

FROM THE VICE PRINCIPAL'S DESK:

Mr Brijnandan Gupta

मार्लबोरो हिंदी स्कूल के छात्रों के उत्साह के देख कर मुझे बहुत ख़ुशी महसूस होती है। स्कूल के अध्यापकों और TAs की निष्ठा भी बहुत सराहनीय है। स्कूल में Parents के योगा के कार्यक्रम के माध्यम से हमने एक नया अध्याय आरम्भ किया। मैं उन सभी Parents को धन्यवाद देना चाहूँगा जिन्होंने अपना क़ीमती समय स्कूल के सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए लगाया । इन सभी कार्यों में MHS PTO का भी सराहनीय योगदान रहा है जिन्होंने सांस्कृतिक कार्यक्रम की Volunteering और स्कूल Security में बहुत ही बेहतरीन काम किया है । MHS PTO और Parents ने मिल कर स्कूल को एक नए स्तर पर पहुँचा दिया है।

हमारे छात्र और छात्रायें अपनी टीचर्ज़ की मदद से हिंदी की Debate (वाद विवाद) प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे हुए हैं यह देख कर बहुत ख़ुशी होती है। आशा है की इस प्रतियोगिता की मदद से हमारे स्कूल के बच्चे हिंदी में वार्तालाप करने में थोड़ा सक्षम हो जाएँगे। इस बार बहुत सारे बच्चों ने Newsletter के लिए कवितायें और कहानी लिखी, यह उत्साह देख कर मैं बहुत गर्व महसूस कर रहा हूँ। मुझे पूरा विश्वास है की भविष्य में मार्लबोरो हिंदी स्कूल हमारे बच्चों और Parents के लिए भारतीय संस्कृति का आनंद उठाने के और भी बहुत सारे नए प्रयास लेकर आएगा।

NEWSLETTER EDITORS

Rakesh Chandwani & Bala Venkatraman